Dainik Bhaskar (Indore), 29th October 2026, Page – 02

वास्तविक जीवन में चुनौतियों का समाधान तलाशने के साथ समाज में बदलाव लाने का माध्यम भी बने आईआईटी

पद्म विभूषण डॉ. अनिल काकोडकर ने क्रिएटिव क्राफ्ट सेंटर और छात्रावास का उद्घाटन किया

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मंगलवार को आईआईटी इंदौर में क्रिएटिव क्राफ्ट सेंटर और विश्वेश्वरैया छात्रावास का उद्घाटन पद्म विभूषण डॉ. अनिल काकोडकर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, आईआईटी केवल तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान तक सीमित न रहे, बल्कि समाज की जरूरतों और आकांक्षाओं को भी प्रतिबिंबित करें। उन्हें वास्तविक जीवन की चुनौतियों के समाधान तलाशने के साथ समाज में बदलाव का माध्यम बनना चाहिए। आईआईटी को दूसरों का अनुसरण करने के बजाय स्वदेशी नवाचार, रचनात्मकता और आनंदपूर्ण विद्यार्जन की संस्कृति विकसित करनी चाहिए।

इस दौरान परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष और होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान के कुलाधिपति डॉ. काकोडकर ने संस्थान में शैक्षणिक संवाद के साथ दो सुविधाओं का उद्घाटन किया। संस्थान में विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए सृजन केंद्र क्रिएटिव क्राफ्ट सेंटर शुरू किया गया है। यहां बांस शिल्प, टेराकोटा, मिट्टी के बर्तन बनाना, हस्त-बुनाई, ब्लॉक प्रिंटिंग और मुद्रण कला जैसी गतिविधियां होंगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी पढ़ाई के साथ व्यावहारिक कौशल और पारंपरिक शिल्प से जोड़ना है।



750 छात्र रह सकते हैं यहां

डॉ. काकोडकर ने कहा, अपने विचारों को समाज के लिए उपयोगी समाधानों में बदल सकते हैं। इसके साथ ही विश्वेश्वरैया छात्रावास का भी उद्घाटन किया गया। 1,66,231 वर्गफीट क्षेत्रफल में बने इस छात्रावास में 370 से अधिक कमरे हैं और करीब 750 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है।

अनुभव से सीखने पर जोर

व्याख्यान का विषय था 'आईआईटी में आनंदपूर्ण विद्यार्जन सुनिश्चित करना'। डॉ. काकोडकर ने नेतृत्व और अनुभव के जरिये सीखने पर जोर दिया। आईआईटी के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा, यह संस्थान शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के साथ रचनात्मकता और अनुभवात्मक अधिगम को भी बढ़ावा दे रहा है।